रूहानियत

दिव्यांशु

.....

इस किताब को मैं अपनी माता, श्रीमती सुषमा और पिता, श्री अशोक कुमार को समर्पित करता हूँ, जिन्होंने सदा मुझे मागदर्शन और प्रोत्साहन दिया| ईश्वर से विनती है कि आप लोगों का स्नेह और आशीर्वाद सदैव मुझे ऐसे ही मिलता रहे .....

कविता सूची

प्रस्तावना

दो लफ्ज़ .....

1.	मेरा नासमझ चाँद	15
2.	यादों से मुलाक़ात	17
3.	रेत पे निशान	18
4.	यादों की बारिश	19
5.	जानी पहचानी पर अनजानी वो	21
6.	अपनों से यह नाराज़गी क्यों	22
7.	बूँदें	24
8.	इज़हारे दिल	25
9.	रुखसत की वह घड़ी	27
10.	ख्वाबों का वह हसीं जहाँ	28

कविता सूची

11.	बेवजह उदासीन सी वह	29
12.	सुबह की पहली किरण	30
13.	धड़कन	31
14.	धड़कन की आवाज़	32
15.	बारिश की बूँदें	33
16.	तेरी वह हसीं याद	35
17.	ताजमहल	36
18.	वक़्त की रफ़्तार	37
19.	जन्मदिन के मौके पर सिर्फ...	39
20.	अपनों का साथ	40
21.	बढ़ते रहना ही तो ज़िंदगी है	41

कविता सूची

22.	मिलने का बहाना	43
23.	ऐ दिल बता	45
24.	कॉलेज के वो हसीं लम्हे	47

प्रस्तावना

इस किताब में मैंने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का प्रयास किया है | मैंने यह महसूस किया है कि परिस्थितियों और भावनाओं का अनूठा संगम है | उदहारण के लिए, "यादों से मुलाक़ात" शीर्षक कविता उन एहसासों को जतलाती है जिन्हें मैंने चार साल बाद वापस अपने कॉलेज लौटने के दौरान महसूस किया| उसी तरह, जब साल की पहली बारिश मणिपाल की ख़ूबसूरत वादियों में गिरती है तो मन में कुछ अरमानों के बीज पनप उठते हैं,"बूँदें" शीर्षक कविता उसी को दर्शाती है | कोई खास दोस्त जो आपसे दूर हो, तो उपहार स्वरुप दिल से कुछ शब्द निकलते हैं उसकी दुआ और सलामती के लिए | इसे आप, "जन्मदिन के मौके पर..." कविता में पाएंगे | इसी तरह हर कविता में आपको एक अलग अनुभव होगा | इसमें आप ख़ुशी, ग़म, आशा, निराशा और अन्य विभिन्न प्रकार की भावनाओं से परिचित होंगे |

दिव्यांशु